सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 219 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 15 सितम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

जो अच्छा सेवक नहीं है वो अच्छा मालिक नहीं बन सकता।
- प्लेटो

श्रीलंका एशिया कप के फाइनल... 7 | राज्यों में कैबिनेट विस्तार देंगे चुनावों... 3 | सरकारी नीतियां ले रहीं किसानों... 2

भाजपा नेता की दबंगई ने ले ली किसान की जान

साढ़े छह बीघा जमीन धोखे से भाजपा नेता प्रियरंजन ने लिखवाई

» आहत होकर किसान ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

» सपा ने सरकार से पूछा भाजपाई अपराधियों पर कब चलेगा बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में कानून व्यवस्था पटरी पर आने का नाम नहीं ले रही है। कहीं कोई सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों की दबंगई का शिकार हो रहा है तो कहीं घर में घुसकर पूरे परिवार को गोली मारी जा रही है तो कही धरना प्रदर्शन के नाम पर मारपीट हो रही है। इन सब के उलट प्रदेश की योगी सरकार सबकुछ ठीक होने का दावा कर रही है। जबकि विपक्ष ने सीएम से सवाल पूछा है कि अपराध करने में भाजपाईयों को छूट क्यों मिली है। दरअसल उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। करोड़ों रुपये की जमीन हड़पने से आहत एक किसान बाबू सिंह ने खुदकुशी कर ली। खुदकुशी से पहले किसान ने सीएम योगी के नाम एक पत्र लिखा है।

जानकारी के अनुसार, कानपुर के अहिरवां स्थित 6.29 करोड़ रुपये की जमीन (साढ़े छह बीघा) हड़पे जाने से आहत चकेरी गांव निवासी किसान बाबू सिंह यादव (52) ने गत शनिवार सुबह ट्रेन से कटकर जान दे दी। खुदकुशी से पहले उसने सीएम के नाम एक सुसाइड नोट भी लिखा है। इसमें अपनी मौत का जिम्मेदार श्यामनगर में रहने वाले पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और भाजपा नेता को बताया है।

किसान ने सीएम को लिखा पत्र- हो सके तो मेरे बच्चों को न्याय दिला देना

सुसाइड नोट में किसान बाबू सिंह ने लिखा है कि हो सके तो बच्चों को न्याय मिले। बाबू सिंह की पत्नी बिटान ने बताया कि भगवान ने उन्हें कोई बेटा नहीं दिया। सिर्फ दो बेटियां दीं। उनके पति ने बेटियों में किसी तरह का फर्क नहीं किया। उनकी पढ़ाई लिखाई से लेकर रहन सहन तक सबकुछ बेहतर करने का प्रयास किया। लोभियों ने उनका हंसता खेलता परिवार बर्बाद कर दिया। कहा कि बड़ी बेटी रूबी की नवंबर तक शादी करने की सोच रहे थे। यह कहते हुए वे बिलख पड़ीं।

- यूपी में योगी सरकार की कानून व्यवस्था तार-तार
- कानपुर में बाबू सिंह की जमीन भाजपा नेता प्रियरंजन ने हड़पी

अपराधी भाजपाईयों पर कब चलेगा बुलडोजर : अखिलेश

पूर्व सीएम व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम से सवाल पूछा है कि अपराध करने में भाजपाईयों को छूट क्यों मिली है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा नेता डा. प्रियरंजन की बदनीयत, धोखाधड़ी की वजह से किसान बाबू सिंह ने आत्महत्या कर ली जिसके पर्याप्त सबूत हैं। तब भी आजतक भाजपा नेता को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। आखिरी मुख्यमंत्री बताएं भाजपा वालों को अपराध करने की छूट क्यों मिली है। आखिर भाजपाइयों पर बुलडोजर क्यों नहीं चलाया जाता। सपा मुखिया ने कहा क्या उन पर कार्रवाई के लिए कोई विशेष ड्राइविंग लाइसेंस लेना पड़ता है।

कौशांबी में ट्रिपल मर्डर से सनसनी, ससुर, दामाद और बेटी की गोली मारकर हत्या

प्रदेश के कौशांबी में गुरुवार देर रात जमीनी विवाद में सोते समय गोली मारकर ससुर, बेटी और दामाद की बेरहमी से हत्या कर दी गई। ट्रिपल मर्डर से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। घटना से आक्रोशित स्वजनों ने आसपास मौजूद छह से सात घरों में आग लगा दी। जिससे वहां अफरातफरी फैल गई। आग की लपटों के साथ चारो ओर चीखने चिल्लाने की आवाजें आने लगीं। मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल ने आग पर काबू पाया। वहीं घटना के बाद पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। छबिलवा निवासी 62 वर्षीय होरीलाल की जमीन पंडा चौराहा पर है।

वकीलों के वेश में आए अराजक तत्वों ने पत्रकारों को बेरहमी से पीटा

» कैमरे और मोबाइल भी तोड़ डाले, लूटपाट की

» बार काउंसिल से आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वकीलों के हड़ताल का कवरेज करने गए अखबार वालों के साथ वकीलों के वेश में आए अराजक तत्वों ने बेरहमी से मारपीट की। इतना ही नहीं उन उपद्रवियों ने अखबार वालों के कैमरे, मोबाइल तक तोड़ दिये साथ ही कुछ सामग्री भी लूट लिया। ये मारपीट 4 पीएम के पत्रकार क्षितिजकांत व कैमैरामैन शुभम के साथ की गई है। इस घटना के बाद पत्रकारों ने बार काउंसिल से दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

पत्रकारों ने बार काउंसिल से कहा है कि धरना प्रदर्शन के नाम पर ऐसी अराजकता बंद हो। वकालत एक सभ्य पेशा, न्यायपालिका का अहम् हिस्सा है। देशवासियों के हितों के लिए पेशा बहुत जरूरी है। सभी जिम्मेदारों को चाहिए कि देश संविधान की रक्षा के लिए ऐसी संस्था पर स्वच्छ छवि,गंभीर व्यक्तित्व का नियंत्रण हो।

सबकी सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए : राजेश कुमार

राजेश कुमार,समाजिक कार्यकर्ता व पूर्व मानद सदस्य,इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्युरिस्ट लंदन यूकेने कहा है कि अगर यूपी को ऐसे प्रदर्शनों से बचाना है तो सरकार व अफसरें को मीडिया कर्मी,नागरिकों की सुरक्षा सम्मान सुनिश्चित करना चाहिए। अधिवक्ताओं के सम्मान,हितों के रक्षार्थ,शांति पूर्ण संघर्ष में सभी समर्थन है।

सरकार ने वकीलों की मांगे मानी

हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में प्रदेश में चल रही वकीलों की हड़ताल समाप्त हो गई है। बृहस्पतिवार शाम उत्तर प्रदेश बार काउंसिल और सरकार के अधिकारियों के बीच हुई बातचीत में सरकार ने हापुड़ के एएसपी को हटाने, सीईओ और पुलिस निरीक्षक को निलंबित करने सहित पांच सूत्री मांगों पर सहमति दी। उत्तर प्रदेश काउंसिल के चेयरमैन श्रीकिशोर गौड के नेतृत्व में काउंसिल के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र से लोकभवन में मुलाकात की।

उदयनिधि और ए. राजा का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

» एफआईआर की मांग वाली याचिका दायर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सनातन धर्म के खिलाफ उदयनिधि स्टालिन और ए राजा के बयानों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस याचिका को चेन्नई के रहने वाले एक वकील ने दायर किया है, डीएमके नेता और तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया से की थी. इसके बाद डीएमके सांसद ए राजा ने सनातन धर्म की तुलना एचआईवी से कर दी। दोनों नेताओं के इन बयानों से बीजेपी उन पर पूरी तरह से हमलावर है।

वहीं, चेन्नई के वकील ने अपनी याचिका में उदयनिधि और ए राजा पर एफआईआर करने की मांग की गई है, इसमें कहा गया है कि डीएमके नेताओं को ऐसे बयान देने से रोका जाए, साथ ही तमिलनाडु में सनातन धर्म के खिलाफ हो रहे कार्यक्रमों को असंवैधानिक करार दिया जाए, याचिका में कहा गया है कि इस बात की जांच हो कि कहीं इस तरह के लोगों को सीमा पार से आ रही फंडिंग तो नहीं मिल रही है, इन नेताओं के लिट्टे से संबंध की भी जांच हो।

मामले पर जल्द सुनवाई की गुजारिश की

याचिकाकर्ता ने शुक्रवार को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से अपनी याचिका पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया, चीफ जस्टिस ने कहा कि वह सुनवाई के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें।

'सरकारी नीतियां ले रहीं किसानों की जान'

» बिजली चेकिंग के नाम पर किसानों से अवैध वसूली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अखिलेश बोले- भाजपा सरकार में किसानों को किया जा रहा प्रताड़ित

लखनऊ। भाजपा की अन्यायपूर्ण नीतियों की वजह से प्रदेश के किसान परेशान हैं, वे इतना हताश हो गए है कि जान तक देने की कोशिश कर रहे हैं। ये गंभीर आरोप समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लगाया है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों को प्रताड़ित किया जा रहा है। कर्ज और महंगाई से तबाह किसानों के लिए भाजपा सरकार की गलत नीतियां जानलेवा साबित हो रही हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की नीतियां किसान विरोधी और पूंजीपतियों की समर्थक है। पूंजीपतियों का लाखों करोड़ रुपये माफ कर दिए गए। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर कर्ज वसूली के नाम पर बैंक कर्मी किसानों को बेइज्जत करते हैं।

सपा नेता ने कहा कि लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ के जमालपुर गांव में भूमि विकास बैंक कर्मचारियों की संवेदनहीनता ने दलित किसान छोटेलाल की जान ले ली। किसान ने बैंक से 60 हजार का कर्ज लिया था। जानकारी मिली है कि बैंक के लोग 60 हजार रूपये का ब्याज समेत तीन लाख वसूलने आये थे। प्रताड़ना से आहत किसान की मौत हो गयी। उन्होंने कहा कि बिजली चेकिंग के नाम पर पूरे प्रदेश में किसानों से अवैध वसूली हो रही है।

सपा नेता आजम खां के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी जारी

पूर्व मंत्री एवं सपा के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां ने कहा है कि भैंसों की डेयरी से मुझे 20 हजार मिलते हैं उसी से मेरा खर्च चलता है। दरअसल, आज भी आजम खां के ठिकानों पर आयकर की छापेमारी जारी रही। इस दौरान रामपुर के आजम खां के आवास से सोने-चांदी के तमाम जेवरात मिलने के बाद लखनऊ से एक सुनार को मूल्यांकन के लिए भेजा गया है। हालांकि आयकर विभाग ने छापों में हुई बरामदगी के बारे में जानकारी साझा नहीं की है। सूत्रों की मानें तो आजम के करीबियों के ठिकानों से मिले दस्तावेजों से जौहर ट्रस्ट को सपा सरकार के दौरान मिले करोड़ों रुपये के दान के फर्जीवाड़े की पोल खुल रही है। सूत्रों के मुताबिक आजम के करीबियों के ठिकानों से मिले दस्तावेजों से पता चला है कि सपा सरकार में मंत्री रहने के दौरान मौलाना अली जौहर ट्रस्ट को करीब 40 करोड़ रुपये दान के रूप में दिए गए थे। यह रकम उनके करीबियों ने दी थी, जिसे जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में इस्तेमाल किया गया था। इसी तरह वर्ष 2003 से 2007 के बीच सपा सरकार में मंत्री रहने के दौरान आजम खां के ट्रस्ट को करीब दस करोड़ रुपये दान में मिले थे। इसी तरह रामपुर और आसपास के जिलों की तमाम शैक्षणिक संस्थाओं ने भी जौहर ट्रस्ट को लाखों रुपये दिए थे। आयकर विभाग ने जब इसकी पड़ताल की, तो सामने आया कि अधिकतर लोगों को दान की चेक के बदले नकदी दी गई थी। इसके सुराग जुटाने के लिए आयकर विभाग की टीमें जौहर ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारियों और दान देने वालों के ठिकानों को खंगाल रही हैं।

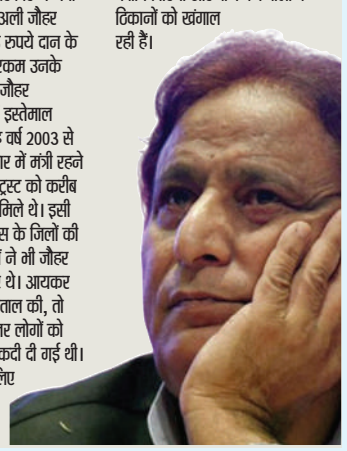

गोपाल राय ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

» न्यूयॉर्क यात्रा को लेकर, केंद्र का फैसला रद्द करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय केंद्र के फैसले को रद्द करने की मांग को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सरकार के आदेश ने उन्हें न्यूयॉर्क की यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी देने से इनकार कर दिया था, जिसमें उन्हें कोलंबिया-भारत ऊर्जा संवाद में भाग लेने के लिए जाना था। विदेश मंत्रालय ने अपने 12 सितंबर के पत्र में कहा है कि प्रस्ताव की जांच की है और राजनीतिक मंजूरी से इनकार कर दिया है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन कुमार बेरी ने कहा कि कोलंबिया-भारत ऊर्जा संवाद में भारत का प्रतिनिधित्व दिल्ली सरकार द्वारा किया जा रहा है, जोकि यह उचित नहीं होगा। राय ने 15 सितंबर से अमेरिकी शहर की यात्रा की अनुमति मांगी है। यह कार्यक्रम 21-18 सितंबर को आयोजित होना है।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने याचिका को शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। दिल्ली सरकार ने वकील के माध्यम से दायर अपनी याचिका में उनके अधिकारी संतोष कुमार त्रिपाठी और अधिवक्ता अरुण पंवार ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कार्यक्रम में भाग लेने के अनुरोध को मनमाना बताते हुए अस्वीकार कर दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि यह निमंत्रण अलग-अलग प्रतिनिधित्व करने वाले अलग-अलग व्यक्तियों के लिए विशिष्ट है। हित धारकों और प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय स्तर तक सीमित रखने का इरादा नहीं है।

भाजपा विधायक का डंडे के साथ इंतजार कर रही जनता : शरद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धमतरी । भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और कुरूद विधायक अजय चंद्राकर के हाल में दिए गए बयान पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कड़ी निंदा की है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शरद लोहाना ने कहा कि कुरूद के वर्तमान विधायक आने वाला विधानसभा चुनाव हार रहे हैं। इसलिए उल्टे-सीधे बयान दे रहे हैं। पिछले लगभग साढ़े चार साल से जब से कांग्रेस की सरकार आई है, तब से वह स्तरहीन बयानबाजी कर रहे हैं। पूरा प्रदेश जान चुका है कि अजय चंद्राकर जो कहते हैं वह कभी होता नहीं है।

शरद लोहाना ने कहा कि अजय चंद्राकर ने कहा था कि अगर भूपेश बघेल सरकार किसान का कर्जा माफी करती है तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देंगे, लेकिन अभी तक कही बात पर अमल नहीं किया। पूरा प्रदेश यहां तक की कुरूद विधानसभा के लोग भी अब अजय चंद्राकर की बात पर विश्वास नहीं करते हैं। वहीं, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि अजय चंद्राकर जी आप पीठ तेल लगा कर रखिए, कुरूद की पूरी जनता आपके लिए डंडा लेकर इंतजार कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में जल जीवन मिशन में 13 हजार करोड़ का घोटाला : पीडीपी

» सरकार के खिलाफ किया नारेबाजी व प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की युवा विंग ने गांधीनगर स्थित पार्टी मुख्यालय के बाहर जम्मू-कश्मीर में कथित 13000 करोड़ रुपये के जल जीवन मिशन घोटाले के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भ्रष्टाचार को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। रैली की शक्ल में आगे बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकते वक्त कार्यकर्ताओं और पुलिस कर्मियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

संभागीय अध्यक्ष चौधरी परवेज वफा ने कहा है कि यह विडंबना है कि इतने हजार करोड़ से अधिक के घाटाले के आरोपों पर भाजपा मौन है और आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने के बजाय मुख्य मुखबिर को दंडित किया गया है। भाजपा भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई और प्रभावी सार्वजनिक सेवाएं सुनिश्चित करने के मुद्दे पर सत्ता में आई थी, लेकिन समय बीतने के साथ उन सभी मोर्चों पर भ्रष्टाचार, घोटालों और कुशासन की एक लंबी सूची के साथ आगे बढ़ रही है। प्रदर्शन में वीरेंद्र, वरिंदर सोनू, रजत गुप्ता, दिलीप बारू आदि शामिल रहे।

इससे पहले पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती भी सरकार के खिलाफ इस तरह के आरोप लगा चुकी हैं। उन्होंने कई बार पीएम से इस पर ध्यान देने की अपल की।

मैं एक कुलीन मराठा, देशद्रोही नहीं : मनोज

» सीएम शिंदे के सामने भड़के, बोले- जनता से पूछकर भूख हड़ताल पर बैठा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालना। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात करने के बाद मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने भूख हड़ताल खत्म कर दी। वह मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग को लेकर 17 दिन से भूख हड़ताल पर थे। इस दौरान मनोज जरांगे मुख्यमंत्री के सामने भड़क उठे और कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे पाटिल ने मुझे एक नोट दिया। वह नोट वास्तव में किस बारे में था? उन सवालों ने मुझे परेशान कर दिया। कुछ लोग मुझ पर आरोप लगाने लगे। लेकिन मैं एक कुलीन मराठा हूं।

वह किसी के कहने पर न तो भूख हड़ताल करता है और न ही उससे पीछे हटता है। मैंने जनता से पूछकर ही सरकार को एक महीने का समय दिया। सभी लोग इसके गवाह हैं। मनोज जारांगे ने कहा कि देशद्रोह करना हमारे खून में नहीं है। मुझ पर आरोप लगाने वाले संगठन को इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल मराठवाड़ा में मराठा समुदाय को कुनबी प्रमाणपत्र दिलाने के लिए मनोज जरांगे पिछले 17 दिनों से भूख हड़ताल पर थे। सरकार की ओर से भूख हड़ताल तोड़ने की कोशिशें की जा रही थीं। जालना सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे, मंत्री गिरीश महाजन, पूर्व मंत्री अर्जुन खोतकर लगातार सरकार की ओर से मनोज जरांगे से बात कर रहे थे। इस दौरान रावसाहेब दानवे ने सरकार की ओर से मिले आश्वासन का पत्र मनोज जरांगे को सौंपा। उस समय यह नोट वास्तव में किस बारे में है? इस तरह के सवाल पूछ कर लोग जारांगे को लड़ाई में छोड़ गए। इसीलिए आज मुख्यमंत्री के सामने ही मनोज जरांगे का गुस्सा फूट पड़ा। मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि दानवे दादा की ओर से दिए गए पत्र ने एक कठिन घटना बना दी। लोगों ने मुझसे बहुत सारे सवाल पूछे। यह किस तरह का पत्र था? एक संगठन ने मुझ पर यह आरोप लगाया। लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं, मैं एक महान मराठा हूं। देशद्रोह मेरे खून में नहीं है। मेरे पिता अभी भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं, मैं समुदाय के लिए लड़ रहा हूं। भले ही मैं अश्रंगोली हूं, लेकिन मैं मराठा समुदाय के साथ विश्वासघात नहीं करूंगा।

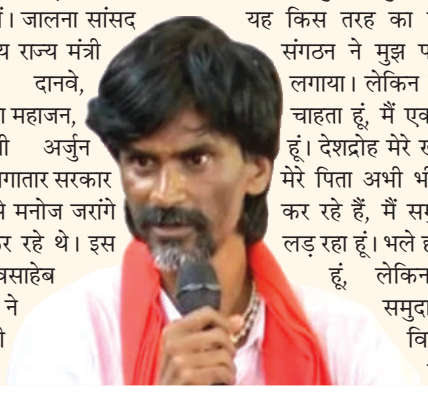

मुख्यमंत्री ने जूस पिलाकर तुड़वाया अनशन

पिछले 16 दिनों से मराठा समुदाय के लिए भोजन का एक भी दाना नहीं खाने वाले मनोज जरांगे पाटिल ने आखिरकार भूख हड़ताल तोड़ दी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने फलों का जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म कराया। मुख्यमंत्री ने समुदाय के सदस्यों को अपना वादा दिया कि सरकार मराठा समुदाय को आरक्षण देगी जो अदालत में टिकेगी। उन्होंने कहा कि मैं एक साधारण कार्यकर्ता हूं। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा हूं। समाज का दर्द जानता हूं। मुझ पर भरोसा रखें, मुख्यमंत्री से अपील की। मनोज जरांगे पाटिल ने भी मुख्यमंत्री की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री पर भरोसा है और कहा कि केवल वही मराठा समुदाय को आरक्षण दे सकते हैं। मुख्यमंत्री की ओर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल तोड़ने के लिए मनाए जाने पर जारांगे-पाटिल मुस्कुराए। अपने समर्थकों और अन्य लोगों की ओर देखा और फिर शिंदे के हाथ से संतरे के जूस का एक गिलास लिया। मुस्कुराए और झिझक के साथ उसे पीया। इसके बाद उनकी लंबी भूख हड़ताल खत्म हो गई। इस पर वहां मौजूद कई मराठा नेताओं सहित सभा में मौजूद लोगों ने खुशी मनाई और तालियां बजाईं।

राज्यों में कैबिनेट विस्तार देंगे चुनावों को आकार

बिहार में आरजेडी-कांग्रेस और यूपी में राजभर पर सबकी नजरें

- चुनाव से पहले कई राज्यों में कैबिनेट फेरबदल के कयास
- पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र व झारखंड में तैयारी
- उत्तर प्रदेश में भी मंत्रीमंडल विस्तार की सुगबुगाहट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 लोक सभा चुनाव आते-आते कई सियासी घटनाक्रम राजनीति के गलियारों घटने की तैयारी में हैं। अब आजकल चर्चा है कि चुनावों के चलते कई राज्यों की सरकारें अपने यहां कैबिनेट में विस्तार करके क्षेत्रीय व जातीय समीकरण साधेंगी ताकि उसका चुनावों में लाभ मिल सके। दरअसल,उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार समेत देश के कई राज्यों में फिर से कैबिनेट विस्तार की सुगबुगाहट तेज हो गई है। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में तो इसी महीने के अंत में फेरबदल की होने की चर्चा है, पश्चिम बंगाल में ममता सरकार में नए मंत्री बनाए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि अभी हाल ही में ममता ने कुछ मंत्रियों के काम में फेरबदल किया था। विदेश जाने से पहले ममता बनर्जी ने अपने 6 मंत्रियों के विभागों में बड़ा बदलाव किया। कैबिनेट विस्तार के जरिए कई राज्यों की सरकार 2024 के सियासी समीकरण को साधने की तैयारी में है, ऐसे में मंत्रियों के चयन में 2024 चुनाव की छाप अभी से देखने को मिल सकती है, सितंबर में कैबिनेट विस्तार करने के पीछे 2 महत्वपूर्ण तर्क दिए जा रहे हैं। पहला, अक्टूबर और नवंबर में त्योहारों का महीना माना जाता है, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव होने की वजह से सभी पार्टियों के हाईकमान यहां व्यस्त हो जाएंगे, दूसरी वजह लोकसभा चुनाव की घोषणा है। सब कुछ सही रहा, तो लोकसभा चुनाव की घोषणा फरवरी के अंत में हो सकती है, ऐसे में अक्टूबर-नवंबर में शपथ लेने वाले मंत्रियों को काम करने का मौका कम मिल सकता है।

घोसी उपचुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में भी कैबिनेट विस्तार की चर्चा तेज हो गई है, हाल ही में एनडीए के सहयोगी सुहेलदेव समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने मंत्री बनने की बात कही है, यूपी बीजेपी अध्यक्ष ने भी राजभर के मंत्री बनाए जाने पर बयान दिया है। वहीं घोसी उपचुनाव में हार के बाद दारा सिंह चौहान ने भाजपा के बड़े नेताओं से दिल्ली में मुलाकात की थी। उधर बीजेपी अध्यक्ष के बयान के बाद माना जा रहा है कि राजभर को जगह मिलना तय है, इसके अलावा, कुछ और मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है, यूपी कैबिनेट में मुख्मयंत्री समेत अभी 52 मंत्री हैं, सरकार में कुल 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। योगी कैबिनेट में पश्चिमी यूपी और बुंदेलखंड संभाग से आने वाले कुछ विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता है। चर्चा सपा से बीजेपी में आए दारा सिंह चौहान के भी मंत्री बनाए जाने की है। महाराष्ट्र में हाल ही में एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने बंद कमरे में एक मीटिंग की थी। इसके बाद ही महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार की चर्चा तेज हो गई, शिंदे कैबिनेट में कुल 13 मंत्री शामिल किए जा सकते हैं, 2022 में उद्धव सरकार के गिरने के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी थी। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी कोटे से 7, एनसीपी (अजित) कोटे से 3 और शिवसेना (शिंदे) कोटे से 3 मंत्री जल्द ही शपथ ले सकते हैं। शिंदे कैबिनेट का आखिरी विस्तार जुलाई 2023 में हुआ था, उस वक्त एनसीपी के अजित पवार समेत 9 विधायकों ने मंत्रीपद की शपथ ली थी। महाराष्ट्र में अभी मुख्यमंत्री समेत कुल 29 मंत्री हैं, राज्य में करीब 44 मंत्री बनाए जा सकते हैं, कहा जा रहा है कि कैबिनेट का 2 पद रिक्त रखा जाएगा। बिहार में यहां कैबिनेट विस्तार अगस्त में ही होना था, लेकिन आरजेडी और कांग्रेस के बीच गुत्थी नहीं सुलझने की वजह से यह अटक गया. कांग्रेस कैबिनेट की 2 सीट पर दावा ठोक रही है, जबकि लालू यादव की पार्टी एक से ज्यादा देने को तैयार नहीं है।

मोदी कैबिनेट विस्तार की भी चर्चा

चर्चा मोदी कैबिनेट विस्तार की भी काफी समय से है. हाल ही में कैबिनेट में शामिल कई मंत्री संगठन के कामकाज में लगाए गए हैं. इसके बाद माना जा रहा है कि नई विस्तार में इनकी छुट्टी हो सकती है. कुछ नए दावेदारों का नाम भी चर्चा में आया था। हालांकि, मोदी कैबिनेट का विस्तार होगा या नहीं, इसकी तस्वीर संसद के विशेष सत्र के बाद ही साफ हो पाएगा. 22 सितंबर को संसद विशेष सत्र का आखिरी दिन है. कहा जा रहा है कि अगर सरकार ने समय से पहले चुनाव कराने की घोषणा नहीं की, तो कैबिनेट विस्तार हो सकता है।

राहुल गांधी ने भी उठाई थी कैबिनेट विस्तार की बात

राहुल गांधी ने भी इंडिया की बैठक में कैबिनेट विस्तार की बात उठाई थी, जिसके बाद नीतीश कुमार ने आरजेडी के ऊपर टोपी खिसका दी थी. नए कैबिनेट विस्तार में कुल 4 मंत्रियों के शामिल किए जाने की बात कही जा रही है. इनमें 2 आरजेडी और 2 कांग्रेस कोटे से मंत्री बन सकते हैं। आरजेडी अपने कोटे से दोनों पद सवर्ण समुदाय के नेताओं को दे सकती है क्योंकि, यह दोनों पद उसी कोटे से रिक्त हैं, कांग्रेस अपने कोटे से एक ब्राह्मण और एक ओबीसी को मंत्री पद की शपथ दिलवा सकती है। नीतीश कैबिनेट का आखिरी विस्तार 16 जून 2023 को हुआ था। उस वक्त जेडीयू कोटे से रत्नेश सादा ने मंत्री पद की शपथ ली थी। उन्हें जीतन राम मांझी के बेटे संतोष मांझी की जगह कैबिनेट में शामिल किया गया था।

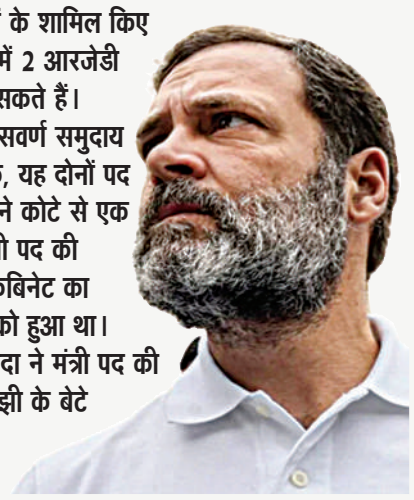

झारखंड में भी कैबिनेट विस्तार की चर्चा

बिहार के पड़ोसी राज्य झारखंड में भी कैबिनेट विस्तार की चर्चा फुल है. यहां पर कांग्रेस कोटे से विस्तार की बात कही जा रही है. झारखंड सरकार में कुल 12 मंत्री हो सकते हैं, लेकिन अभी सिर्फ 11 मंत्री हैं. एक सीट पर कांग्रेस दावा कर रही है। वहीं सरकार में कांग्रेस के 4 मंत्री शामिल हैं. कहा जा रहा है कि 1 मंत्री से कुर्सी ली जा सकती है यानी कांग्रेस अपने 2 विधायक को मंत्री बनाना चाहती है, इसमें से एक पद महिला मंत्री को दिए जाने की चर्चा है। झारखंड कैबिनेट का आखिरी विस्तार 3 जुलाई 2022 को हुआ था. उस वक्त जेएमएम कोटे से दिवंगत जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी ने मंत्री पद की शपथ ली थी. बंगाल में ममता बनर्जी ने विदेश जाने से पहले कुछ मंत्रियों के विभाग बदले हैं. कहा जा रहा है कि विदेश से आने के बाद ममता कैबिनेट का विस्तार कर सकती है. ममता कैबिनेट में नॉर्थ बंगाल के कुछ नेताओं को जगह मिल सकती है. वहीं मुकुल रॉय या उनके बेटे को भी कैबिनेट में शामिल किए जाने की चर्चा है. मुकुल रॉय बीजेपी से पाला बदलकर तृणमूल में शामिल हुए हैं. 69 वर्षीय रॉय कभी ममता बनर्जी के चाणक्य कहे जाते थे। अमित मित्रा के रिटायर, सुब्रत मुखर्जी के निधन और पार्थ चटर्जी के जेल जाने के बाद से ही ममता बनर्जी कैबिनेट में सीनियर नेताओं की कमी है।

यूपी में इंडिया गठबंधन पर रार, कांग्रेस के बयान पर भाजपा की बढ़ी मुस्कान

कांग्रेस के यूपी अध्यक्ष अजय राय ने एक ऐसा बयान दे दिया है जो लोकसभा चुनाव के लिए बन रहे इंडिया एलायंस के लिए भारी पड़ सकता है। अजय राय ने हाल ही में उत्तराखंड में हुए बागेश्वर उपचुनाव में कांग्रेस की हार का ठीकरा समाजवादी पार्टी पर फोड़ दिया। उन्होंने कहा कि यदि सपा वहां अपना प्रत्याशी न उतारती तो कांग्रेस का प्रत्याशी चुनाव जीत जाता। अजय राय ने कहा कि घोसी की सीट पर कांग्रेस ने सपा को समर्थन किया। इस मसले पर सपा ने पलटवार करते हुए कहा कि घोसी की सीट में कांग्रेस ने समर्थन किया। यह बात सच है। लेकिन यह बात भी इतनी ही सच है कि बागेश्वर की सीट के लिए कांग्रेस ने सपा से कोई समर्थन नहीं मांगा था। वरिष्ठ समाजवादी नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने कहा कि दोनों चुनाव अलग-अलग राज्यों में थे। यदि कांग्रेस की उत्तराखंड ईकाई हमसे समर्थन मांगती तो हम निश्चित रूप से इस पर विचार करते। सपा और कांग्रेस यूपी में लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के बैनर तले लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार बात सीट शेयरिंग तक भी पहुंच गई है। अब इस तरह के बयान से अचानक से राजनीतिक कयास लगने शुरू हो गए हैं। कयास इस बात के लगाए जा रहे हैं कि यह गठबंधन बनने से पहले ही बिखर जाएगा। 2017 में यूपी में कांग्रेस और सपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था। साथ में लड़ने के बाद भी कांग्रेस और सपा को पहले के मुकाबले कम सीटें मिली थीं। पिछले दिनों एक टीवी चैनल के साथ बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा था कि हमने उस चुनाव में बड़ा दिल दिखाते हुए कांग्रेस को जरूरत से ज्यादा सीटें दीं। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि इस तरह के बयान गठबंधन में ज्यादा सीटें पाने की कोशिशें भी हो सकती हैं। अभी तक जो खबरें आ रही हैं उसके अनुसार सपा कांग्रेस को दस के अंदर सीटें देने के मूड में है, लेकिन कांग्रेस की उम्मीद इससे कहीं ज्यादा है। अजय राय के इस बयान के बाद कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने चुप्पी साध ली है। इस बारे में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उधर उत्तराखंड कांग्रेस ने भी इस मामले में अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।
राजनीतिक हालत ऐसे हैं कि संभव है कि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व इस बयान से अपने आप को दूर कर ले और इसे अजय राय की निजी सोच करार दे दे। अजय राय के इस बयान ने बीजेपी को बैठे-बैठाए मुद्दा थमा दिया है। बीजेपी पहले से ही कहती रही है कि यह गठबंधन स्वाभाविक नहीं है। यह दल सत्ता के लिए एक साथ चुनाव लड़ने के लिए राजी हो रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सेना पर हमला कायराना हरकत

जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में सेना के कर्नल मेजर व जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी के बलिदान पर जम्मू में पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश भड़क उठा। लोगों ने इस हरकत को कायरना बताते हुए सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। कम से कम तीन साल बाद ऐसी घटना घटी है जिसमें भारत के बड़े सैन्य अधिकारियों की मौत हुई है। घटना से पूरा देश सदमे में है। हालांकि कुछ लोगों ने इस घटना के बाद प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। प्रथम दृष्टया इस मुठभेड़ में आतंकियों के हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ बताया जा रहा है। लोग इतने गुस्से में है कि सरकार को कोस रहें है कि एक तरफ तो मोदी सरकार दावा कर रही है कि पीओके भारत में मिल जाएगा दूसरी तरफ इतनी बड़ी घटना को रोकने में वो असफल हो गई। हालांकि केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने कहा है अब पाकिस्तान हर स्तर पर अलग-थलग करना पड़ेगा तभी कुछ हो पाएगा। उधर शहादतों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराते हुए कई संगठनों ने पाकिस्तान के झंडे फूंक कर अपने गुस्से का इजहार किया। लोगों ने तो पीओके में सर्जिकल स्ट्राइक की मांग की है।

इसके साथ ही इन संगठनों ने केंद्र सरकार से गुलाम कश्मीर में चल रहे आतंकी शिविरों को नष्ट करने के लिए एक और सर्जिकल स्ट्राइक करने की मांग भी उठाई। अनंतनाग में हुई शहादतों पर दुख प्रकट करने के लिए जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट व सभी निचली अदालतों तथा ट्रिब्यूनल में वर्क सस्पेंड रखा। वकीलों ने वर्क सस्पेंड रखते हुए जानीपुर स्थित जिला कोर्ट परिसर में बलिदानियों को श्रद्धांजलि भी दी। वहीं, युवाओं ने पुराने शहर के कच्ची छावनी इलाके में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया। युवाओं ने कहा पाकिस्तान एक बार फिर से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को सक्रिय करना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान अपने मंसूबों में कभी कामयाब नहीं होगा। भारतीय सेना इस हमले का मुंहतोड़ जवाब देगी और पूरा विश्वास है कि बहुत जल्द आतंकियों को ढेर कर दिया जाएगा। सेना द्वारा आतंकियों के खिलाफ ये मुठभेड़ अभियान कई महीनों से जारी है जो आगे भी जारी रहेगा। हालांकि सेना पूरे एहतियात से ऐसे अभियान चलाती है परंतु इस घटना के बाद सेना को अपनी रणनीति में बदलाव करना जरूरी है क्योंकि आतंकी कुछ ज्यादा ही नए-नए तरीकों से हमले कर रहे हैं। पूरे देश को अपने जवानों पर गर्व है कि वह भारत की गरिमा पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आने देंगे।

कम से कम तीन साल बाद ऐसी घटना घटी है जिसमें भारत के बड़े सैन्य अधिकारियों की मौत हुई है। घटना से पूरा देश सदमे में है। हालांकि कुछ लोगों ने इस घटना के बाद प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। प्रथम दृष्टया इस मुठभेड़ में आतंकियों के हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ बताया जा रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बड़े जल विद्युत प्रोजेक्ट नीति पर हो पुनर्विचार

पंकज चतुर्वेदी

हिमाचल प्रदेश का बड़ा हिस्सा अचानक आई तेज बरसात और जमीन खिसकने से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जहां आपदा आई नहीं वहां के लोग भी आशंका में जी रहे हैं। राज्य के नेशनल हाईवे व अन्य सड़कों के यातायात पर बुरी तरह असर हुआ। कई सौ गांवों में बिजली व जल आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गयी थी। सैकड़ों लोग मारे गये व कई लापता हुए। अनुमानित हजारों करोड़ का नुकसान है। पहाड़ों के धसने से घर, खेत से लेकर सार्वजनिक संपत्ति का जो नुकसान हुआ है उससे उबरने में राज्य को सालों लगेंगे। गंभीरता से देखें तो ये हालात भले ही आपदा से बने हों लेकिन इन आपदाओं को बुलाने में इंसान की भूमिका भी कम नहीं। जब दुनियाभर के शोध कह रहे थे कि हिमालय पर्वत जैसे युवा पहाड़ पर पानी को रोकने, जलाशय और सुरंगें बनाने के लिए विस्फोटक के इस्तेमाल के अंजाम अच्छे नहीं होंगे, तब हिमाचल की जल धाराओं पर छोटे-बड़े बिजली संयंत्र लगा कर उसे विकास का प्रतिमान बताया जा रहा था।

नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, इसरो द्वारा तैयार देश के भूस्खलन नक्शे में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों को बेहद संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। देश के कुल 147 ऐसे जिलों में संवेदनशीलता की दृष्टि से मंडी को 16वें स्थान पर रखा गया है। यह आंकड़ा और चेतावनी फाइल में कैद रही और इस बार मंडी में तबाही सामने आ गयी। ठीक यही हाल शिमला का हुआ जिसका स्थान इस सूची में 61वें नम्बर पर दर्ज है। प्रदेश में 17,120 स्थान भूस्खलन संभावित क्षेत्र अंकित हैं, जिनमें से 675 बेहद संवेदनशील मूलभूत सुविधाओं और घनी आबादी के करीब हैं। इनमें सर्वाधिक स्थान चंबा जिले में हैं, उसके बाद के क्रम में मंडी, कांगड़ा, लाहौल-स्पीति, ऊना, कुल्लु, शिमला, सोलन आदि हैं। यहां भूस्खलन की दृष्टि से किन्नौर जिले को सबसे खतरनाक माना जाता है। बीते साल भी किन्नौर में दो हादसों में 38 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी।

इसके बाद किन्नौर जिला में भूस्खलन को लेकर भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण के विशेषज्ञों के साथ-साथ आईआईटी, मंडी व रुढ़की के

विशेषज्ञों ने अध्ययन किया है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 97.42 प्रतिशत भूस्खलन संभावित है। हिमाचल सरकार की डिजास्टर मैनेजमेंट सेल द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन ने पाया कि बड़ी संख्या में हाइड्रोपॉवर स्थल पर धरती खिसकने का खतरा है। कम से कम 10 ऐसे मेगा हाइड्रोपॉवर स्थल हैं जो कि मध्यम और उच्च जोखिम वाले भूस्खलन क्षेत्रों में स्थित हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित सैकड़ों स्थल चिन्हित किए हैं। चेतावनी के बाद भी किन्नौर में, एक हजार मेगावाट की करछम और 300 मेगावाट की बासपा परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एक बात और समझनी होगी कि वर्तमान में बारिश का तरीका बदल रहा है और गर्मियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक पर पहुंच रहा है। ऐसे में मेगा जलविद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने की राज्य की नीति को एक नाजुक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में लागू किया जा रहा है। वैसे हिमाचल प्रदेश में पानी से बिजली बनाने का कार्य 120 सालों से जारी है जो इसके पूर्ण राज्य घोषित होने से पहले ही शुरू हो गया था। शुरुआत वर्ष 1908 में चंबा में 0.10 मेगावाट क्षमता की एक छोटी जल विद्युत परियोजना के निर्माण से शुरू हुई थी। इसके बाद वर्ष 1912 में औपचारिक रूप से शिमला जिले के चाबा में 1.75 मेगावाट क्षमता का बिजली संयंत्र शुरू हुआ जिसे ब्रिटिश भारत की बिजली जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया था। इसके बाद यहां और बिजली संयंत्र लगाने की संभावनाएं तलाशी जाने लगीं। इसी योजना के तहत मंडी जिले के जोगिन्द्रनगर में 48 मेगावाट की बड़ी परियोजना का निर्माण कार्य शुरू किया गया जो वर्ष 1932 में पूरा हुआ।

आज हिमाचल में 130 से अधिक छोटी-बड़ी बिजली परियोजनाएं चालू हैं जिनकी कुल बिजली उत्पादन क्षमता 10,800 मेगावाट से अधिक है। सरकार का इरादा 2030 तक राज्य में 1000 से अधिक जलविद्युत परियोजनाएं लगाने का है जो कुल 22,000 मेगावाट क्षमता की होंगी। इसके लिये सतलुज, व्यास, रावी और पार्वती समेत तमाम छोटी-बड़ी नदियों पर बांधों की कतार खड़ी कर दी गई है। हिमाचल सरकार की चालू, निर्माणाधीन और प्रस्तावित परियोजनाओं की कुल क्षमता ही 3800 मेगावाट से ज्यादा है।

पूरे देश से मिला है हिंदी को स्नेह

प्रमोद जोशी

हर साल हम 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' का समारोह मनाते हैं। हालांकि यह हिंदी के सरकारीकरण का दिन है, फिर भी बड़ी संख्या में लोगों का अपनी भाषा से प्रेम इस बहाने व्यक्त होता है। खासतौर से सरकारी दफ्तरों में तमाम लोग हिंदी के काम को व्यक्तिगत प्रयास से और बड़े उत्साह के साथ करते हैं। बेशक वाचिक भाषा के रूप में हिंदी का विस्तार हुआ है। यानी कि मनोरंजन, खेल और राजनीति की भाषा वह बनी है। वह 'पैन इंडियन भाषा' भी बन गई है। मतलब मुंबइया, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबादी हिंदी की शैलियां। पर ज्ञान-विज्ञान की भाषा के रूप में उसका वैसा विकास नहीं हुआ, जैसा होना चाहिए। खबरिया और मनोरंजन चैनलों की वजह से हिंदी जानने वालों की तादाद बढ़ी है। हिंदी सिनेमा की वजह से तो वह थी ही। सच यह भी है कि हिंदी की आधी से ज्यादा ताकत गैर-हिंदी भाषी जन के कारण है। गुजराती, मराठी, पंजाबी, बांग्ला और असमिया इलाकों में हिंदी को समझने वाले काफी पहले से हैं। भारतीय राष्ट्रवाद को विकसित करने में हिंदी की भूमिका को सबसे पहले बंगाल से समर्थन मिला था। वर्ष 1875 में केशव चन्द्र सेन ने अपने पत्र' सुलभ समाचार' में हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकारने की बात उठाई थी।

बंकिम चन्द्र चटर्जी भी हिंदी को ही राष्ट्रभाषा मानते थे। महात्मा गांधी गुजराती थे, फिर भी दक्षिण अफ्रीका से उन्होंने अंग्रेजी में अपना अखबार निकाला, तो उसमें हिंदी, तमिल और गुजराती को भी जगह दी। दो पीढ़ी पहले के हिंदी के श्रेष्ठ पत्रकारों में अमृत लाल चक्रवर्ती, माधव राव सप्रे, बाबूराव विष्णु पराडकर, लक्ष्मण नारायण गर्दे, सिद्धनाथ माधव आगरकर और क्षितीन्द्र मोहन मित्र जैसे अहिंदी भाषी थे। जैसे-जैसे हिंदी का विस्तार हो रहा है, उसके अंतर्विरोध भी सामने आ रहे हैं। दक्षिण के लोगों को भी समझ में आ गया कि बेहतर कैरियर के लिए हिंदी का ज्ञान भी जरूरी है। इसलिए नहीं कि हिंदी में काम करना है, इसलिए कि हिंदी इलाके में नौकरी करनी है तो उधर की भाषा का ज्ञान होना चाहिए। हिंदी की जानकारी होने से एक फायदा यह कि किसी तीसरी भाषा के इलाके में जाएं तो हिंदी की मदद मिल जाती है। पर राजनीतिक कारणों से विरोध भी होता है।

हिंदी को आज पूरे देश का स्नेह मिल रहा है और उसे पूरे देश को जोड़ पाने वाली भाषा बनने के लिए जिस खुलेपन की ज़रूरत है, वह भी उसे मिल रहा है। यानी भाषा में शब्दों, वाक्यों और मुहावरों के प्रयोगों को स्वीकार किया जा रहा है। पाकिस्तान को और जोड़ लें तो हिंदी या उर्दू बोलने-समझने वालों की संख्या बहुत बड़ी है। यह इस भाषा की ताकत है। हिंदी का यह विस्तार उसे एक धरातल पर ऊपर ले गया है। यानी बोलने, संपर्क करने, बाजार से सामान या सेवा खरीदने, मनोरंजन करने की भाषा। विचार-दर्शन, ज्ञान-विज्ञान, कला-संस्कृति और साहित्यिक हिंदी का बाजार छोटा है। हिंदी-राष्ट्रवाद का भौगोलिक-आधार अब वही नहीं है, जो सौ साल पहले था। तब हिंदी का हृदय-क्षेत्र बनारस, इलाहाबाद, लखनऊ, आगरा व बरेली जैसे शहर थे।

आज हिंदी मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में बोली जा रही है और हैरत नहीं होगी कि अगले कुछ वर्षों में चेन्नई में भी सड़कों पर उसे बोलने-समझने वाले मिलें। इसकी वजह है वे प्रवासी कामगार, जो अपना घर छोड़कर इन दूरदराज इलाकों में जाते हैं। हिंदी-क्षेत्र के लोगों की भी कुछ जिम्मेदारियां बनती हैं। उन्होंने ज्ञान-विज्ञान, कला-संस्कृति और सामान्य ज्ञान के विषयों की जानकारी के लिए अधकचरी अंग्रेजी का पल्लू पकड़ लिया है। यह अधकचरी अंग्रेजी हालांकि पूरे देश पर हावी है, फिर भी अन्य भारतीय भाषाओं का पाठक, विचार-विमर्श के लिए अपनी भाषा से काफी हद तक जुड़ा है। आनन्द बाजार पत्रिका और मलयाला मनोरमा बंगाल व केरल के ज्यादातर घरों में जाते हैं। अंग्रेजी अखबारों के पाठक यों तो चंद महानगरों में केंद्रित हैं, पर मराठी, तमिल, बांग्ला और कन्नड़ परिवार में अंग्रेजी अखबार के साथ अपनी भाषा का अखबार भी आता है। हिंदी के शहरी पाठक का हिंदी अखबार के साथ वैसा जुड़ाव नहीं है। एक जमाने तक हिंदी घरों में धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, कादम्बिनी,नन्दन और सारिका जैसी पत्रिकाएं जाती थीं। उनके सहारे पाठक अपने लेखकों से जुड़ा था। ये पत्रिकाएं बंद हो चुकी हैं। बांग्ला का 'देश' बंद नहीं हुआ, तमिल का 'आनंद विकटन' बंद नहीं हुआ। हिंदी मीडिया अंग्रेजी अनुवाद को पसंद करता है, हिंदी के मौलिक-लेखन को समर्थन देने से हिचकिचाता है। हिंदी क्षेत्र का शहरी पाठक अंग्रेजी अखबार लेता है रुतबे के लिए, ड्राइंग रूम में रखता है। मनोरंजन के बाद हिंदी राष्ट्र का एक और शगल है, राजनीति। लोकसभा में जब भी किसी अविश्वास प्रस्ताव पर बहस होती है सबसे अच्छे भाषण हिंदी में होते हैं। राजनेता ज्यादा बड़े इलाके तक अपनी बात पहुंचाना चाहते हैं। बौद्धिकता के लिहाज से अच्छे नहीं, भावनाओं में। लफ्फाजी में। संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार हिंदी देश की राजभाषा है, पर संवैधानिक व्यवस्था अनुसार ही अनंत काल तक अंग्रेजी देश की राजभाषा के रूप में काम करती रहेगी। हिंदी के जबर्दस्त उभार-प्रसार के बावजूद इस बात को रेखांकित किया जाना चाहिए कि केवल उसे राजभाषा बनाने के लिए एक ओर समूचे देश की स्वीकृति की जरूरत है, दूसरे उसे काबिल बनना होगा कि उसके मार्फत राजकाज चल सके। सुप्रीम कोर्ट-हाईकोर्ट में अंग्रेजी का ही प्रयोग होता है।

प्रोटीन से समृद्ध

प्रोटीन एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है जो हमारे शरीर के स्वस्थ विकास और उत्तम स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। पीली मूंग दाल और हरी मूंग दोनों ही प्रोटीन से भरपूर होती है। इनमें मौजूद प्रोटीन भूख को कम करने और रक्त शर्करा के स्तर को कंटोल करन में मददगार है। इसलिए मूंग की दाल डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद माना जाता है। जो लोग ज्यादा मेहनत का काम नहीं करते हैं, उन्हें अपने वजन के प्रति किलोग्राम के हिसाब से हर रोज़ 0.75 ग्राम प्रोटीन लेना चाहिए। एक पुरुष को कम से कम 55 ग्राम और महिला को 45 ग्राम प्रोटीन रोज़ खाना चाहिए। प्रोटीन की कमी के चलते त्वचा फटी-फटी-सी हो सकती है। बाल झड़ने शुरू हो सकते हैं। वजन कम हो सकता है। जो लोग ज्यादा मेहनत करते हैं उन्हें तो वर्कआउट के तुरंत बाद ही प्रोटीन लेना ज़रूरी है।

वजन घटाने में सहायक

डाइबिटीज के मरीजों को वजन मेंटेन करना भी काफी जरूरी है। वजन कंट्रोल करने के लिए आप अपनी डाइट में मूंग दाल शामिल कर सकते हैं। यह दाल काफी हल्की और प्रोटीन से भरपूर होती है। दाल में मौजूद फाइबर की उच्च मात्रा लंबे समय तक भूख कंट्रोल करने में सहायक है। पतली कमर किसे अच्छी नहीं लगती? चाहे पुरुष हो या महिला आज के दौर में हर कोई फिजिकली फिट दिखना चाहता है और इसके लिए जरूरी है कि आपके शरीर का वजन संतुलित रहे। कम वजन से न केवल व्यक्ति आकर्षक दिखता बल्कि वह भाग-दौड़ करने में भी फुर्तीला होता है। वजन ज्यादा बढ़ जाने से शरीर का फुर्तीलापन गायब हो जाता है, मोटा व्यक्ति ज्यादा शारीरिक गतिविधियां नही कर पाता, थोड़ी दूर चलने या 2-3 बार उठने बैठने से ही वह थक जाता है।

डायबिटीज में रामबाण है
मूंग की दाल

दाल सेहत के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती है। पौष्टिक गुणों से भरपूर होने की वजह से डाइट में दाल शामिल करने की जरूर सलाह दी जाती है। मूंग दाल अन्य दालों की तुलना में हल्की और आसानी से पच जाती है। इसमें पोटैशियम, विटामिन सी, फाइबर, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन जैसे तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो आपके लिए मूंग की दाल रामबाण है। आप इस दाल को सही तरीके से अपनी डाइट में शामिल करेंगे, तो ब्लड शुगर कंट्रोल होने में मदद मिलेगी।

फाइबर से भरपूर

मूंग दाल में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखती है और आसानी से पच जाती है। यह दाल विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, जो ब्लड शुगर को सामान्य रखती है। फाइबर में उच्च आहार कोलन कैंसर के साथ-साथ डायवर्टीकुलिटिस के खतरे को कम करने के लिए पाया गया है। इरिटेबल बाउल सिंड्रोम जैसे आंत विकारों वाले मरीजों को उच्च फाइबर आहार लेने से फायदे मिल सकते हैं।
डाइट्री फाइबर की दैनिक खपत इंसुलिन प्रतिरोध के लक्षणों को कम करने और ब्लड स्ट्रीम में चीनी के अवशोषण को धीमा करने में मदद कर सकती है।

डाइट में ऐसे करें शामिल

आप हरी मूंग दाल का इस्तेमाल कर स्वादिष्ट कटलेट बना सकते हैं। यह हेल्दी नाश्ते का शानदार ऑप्शन है। मेथी और मूंग दाल का कॉम्बिनेशन डायबिटीज के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके लिए मूंग की दाल बनाते समय मेथी की पत्तियों को डाल सकते हैं। इस दाल को रोटी या चावल के साथ भी खाया जा सकता है। गरमागरम मूंग दाल की खिचड़ी की बात ही अलग होती है। यह स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। आप इसे घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो लंच या डिनर में मूंग दाल की खिचड़ी जरूर शामिल करें।

हंसना मना है

एक लड़का घोड़े पर बैठकर कुछ लिख रहा था उसके पिता ने पूछा- तुम यहां क्यों बैठे हों? पुत्र- पिताजी! कल मास्टरजी ने घोड़े पर निबंध लिखने को कहा था, वही लिख रहा हूं।

प्रेमी- डियर! मैं तुम्हारे पिताजी से शादी की बात किस समय करूं? प्रेमिका ने कहा- जब कभी मेरे पिताजी के पैर में जूते न हों।

प्रीतो- अगर मैं किसी जवान लड़के को किस करूं, तो क्या होगा? बाबा- नरक में जाओगी! प्रीतो- अच्छा, अगर मैं आप को किस करुं तो? बाबा- चालाक औरत, स्वर्ग में जाना चाहती है!

प्रेमी जोड़ा आपस में बातें कर रहा था। प्रेमिका- हम लोग दो साल से एक दूसरे से प्रेम करते हैं। क्या तुमने कभी शादी के बारे में नहीं सोचा? प्रेमी- दरअसल बात यह है कि मुझे गलत मत समझना, मुझे इस बारे में अपनी पत्नी से बात करनी पड़ेगी तभी मैं तुम्हें कुछ जवाब दे सकूंगा..

पत्नी- सुनो जी अखबार में खबर है कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बेच डाला? पति- ओह! कितने में? पत्नी एक साइकिल के बदले में, कहीं तुम भी तो ऐसा नहीं करोगे, पति- मैं इतना मूर्ख थोडे ही हूं, तुम्हारे बदले में तो कार आ सकती हैं।

कहानी | संघर्ष ही शक्ति को विकसित करता है

एक बार एक आदमी ने अपने बगीचे में एक तितली के कोकून को देखा। वह उसे देखने लगा, उसने नोटिस किया कि उस कोकून में एक छोटा सा छेद बन हुआ है, उसने देखा की छोटी तितली उस छेद से बाहर निकलने की बहुत कोशिश कर रही थी। बहुत देर तक कोशिश करने के बाद भी वो उस छेद से बाहर नहीं निकल पा रही थी, वह बहुत कोशिश करती रही, फिर वह शांत सी हो गयी, उस आदमी को लगा जैसे उसने हार मान ली हो। इसलिए उस आदमी उस तितली की मदद करने के उद्देश्य से एक कैंची उठायी और कोकून की छेद को बड़ा कर दिया की जिससे तितली आसानी से बाहर निकल पाए और यही हुआ, तितली बिना किसी संघर्ष के आसानी से बाहर निकल गयी, पर उसका शरीर सूजा हुआ था, और पंख सूखे हुए थे। उस आदमी को लगा कि वो तितली अपने पंख फैला कर उड़ने लगेगी, पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। बल्कि कुछ समय बाद ही वह मर गयी। इसका उसे काफी दु:ख हुआ। उस आदमी ने अपने बुजुर्ग को यह सारी बात बताई, बुजुर्ग ने बताया असल में कोकून से निकलने की प्रक्रिया को प्रकृति ने इतना कठिन इसलिए बनाया है, जिससे ऐसा करने से तितली के शरीर में मौजूद तरल पदार्थ उसके पंखों में पहुंच सके, और वो छेद से बाहर निकलते ही उड़ पाए। जिंदा रह सके। और तुमने उस की मदद करके उसकी सामान्य प्रक्रिया को तोड़ दिया। जिसके कारण उसका यह हश्र हुआ।
शिक्षा-दोस्तों असल में कभी-कभी हमारे जीवन में संघर्ष ही हमें वो मजबूती प्रदान करता है, जिससे हम आगे बढ़ सके, क्योंकि यदि हमे बिना संघर्ष के जीवन में कुछ मिलेगा तो हम अपंग हो जायेंगे और यदि सफल भी हो गये तो ज्यादा समय तक सफल नही रह पाएंगे। इसलिए जीवन में आने वाले कठिन पलों को सकारात्मक दृष्टिकोण से स्वीकार करे, क्योंकि वो हमे मजबूत बनाते है ना की मजबूर।

7 अंतर खोजें

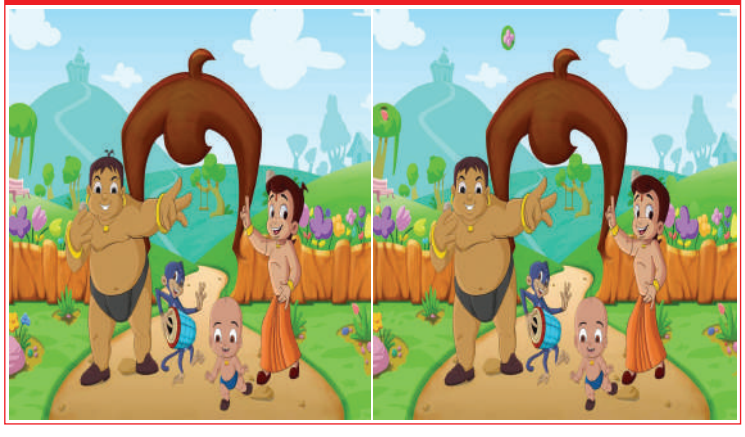

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

वृषभ

मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

मिथुन
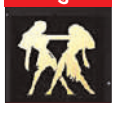
व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें।

कर्क

कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे।

सिंह

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

कन्या

नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं।

तुला

प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है।

वृश्चिक

यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है।

धनु
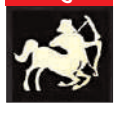
मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मकर

कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ

व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें।

मीन

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

पल्लवी जोशी ने नसीरुद्दीन शाह को दी द कश्मीर फाइल्स देखने की सलाह

नसीरुद्दीन शाह इन दिनों बॉलीवुड फिल्मों द कश्मीर फाइल्स, द केरल स्टोरी और गदर-2 पर दिए अपने बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता ने कहा था कि वह इन फिल्मों की लोकप्रियता से परेशान हैं। नसीरुद्दीन ने दावा किया था कि कुछ फिल्म निर्माता फिल्मों को खराब कर रहे हैं और केवल नफरत फैला रहे हैं। द कश्मीर फाइल्स को परेशान करने वाली फिल्म बताने पर फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने नसीरुद्दीन को जवाब दिया था। अब फिल्म की अभिनेत्री और विवेक की पत्नी पल्लवी जोशी ने अभिनेता के बयान पर प्रतिक्रिया दी है।

पल्लवी जोशी ने नसीरुद्दीन शाह से इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से पहले फिल्म देखने का आग्रह किया और कहा, नसीरजी जो भी कहते हैं, वह सोशल मीडिया पर प्रसारित हो जाता है। मैं सोशल मीडिया पर हूं, इसलिए मैंने उनकी राय के बारे में पढ़ा है, लेकिन मैंने उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं देखा है। नसीर साहब द कश्मीर फाइल्स के बारे में जो भी कहें, मेरी उनसे एक ही गुजारिश है कि वह पहले हमारी फिल्म देखें और फिर उन्हें जो कहना है कहें।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि अगर नसीरुद्दीन फिल्म देखेंगे तो द कश्मीर फाइल्स के बारे में उनकी राय बदल जाएगी। अभिनेत्री ने कहा, द कश्मीर फाइल्स उस तरह की फिल्म नहीं है, जिसके बारे में वह सोच रहे हैं। आज जीवन के इस पड़ाव पर पहुंचकर मुझे लगता है कि सुनी-सुनाई बातों पर यकीन करना ठीक नहीं है। आप जो सुनते हैं उस पर विश्वास करने में कोई अच्छी बात नहीं है। जब मैं किसी भी चीज के बारे में खुलकर बात करती हूं तो उस विषय से जुड़ी सारी जानकारी इकट्ठा कर लेती हूं, अगर मुझे किसी फिल्म के बारे में बात करनी है, चाहे वह द कश्मीर फाइल्स हो या कोई और फिल्म तो मैं सबसे पहले वह फिल्म जरूर देखूंगी। पल्लवी जोशी ने बताया कि वह नसीरुद्दीन शाह की टिप्पणियों से आहत हैं। पल्लवी ने कहा, मैं नसीर भाई का बहुत सम्मान करती हूं। वह बहुत अच्छे कलाकार हैं। मैं उनसे एक बार मेरी फिल्म देखने का अनुरोध करती हूं।

साई पल्लवी की जुनैद संग बॉलीवुड में जमेगी जोड़ी!

लंबे वक्त से चर्चा है कि सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान भी बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाने के लिए एक्टिंग करते दिखेंगे। हालांकि, वह कब और किस फिल्म में दिखेंगे इस पर अब तक कोई अपडेट नहीं आया था, लेकिन अब खबर आई है कि जुनैद को अपनी पहली फिल्म के लिए एक हसीना का साथ जरूर चुका है। जुनैद की फिल्म से ही ये सुपरहिट साउथ एक्ट्रेस भी बॉलीवुड में अपनी पारी शुरू करने जा रही हैं। दरअसल, यहां बात कर रहे हैं साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी की, जो मारी 2, फिदा, गार्गी और श्याम सिंघा रॉय जैसी दक्षिण भारतीय फिल्मों के दम पर दुनियाभर में अपनी एक खास पहचान हासिल कर चुकी हैं।

साई ने बेशक अब तक बॉलीवुड डेब्यू नहीं किया है, लेकिन हिन्दी दर्शक भी उनकी अदाकारी पर फिदा हैं। ऐसे में अब साई अपने हिन्दी फैंस के बीच भी हाजिर होने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। कथित तौर पर कहा जा रहा है कि साई और जुनैक की यह फिल्म एक प्रेम कहानी के रूप में तैयार की जाएगी। खबरों की माने तो जहां आमिर ने अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा की बॉक्स ऑफिस पर असफलता के बाद ब्रेक लिया है, वहीं उनके विपरीत बेटा यशराज फिल्म्स के बैनर तले एक फिल्म में अपने बड़े बॉलीवुड डेब्यू की तैयारी कर रहा है।

बॉलीवुड | मन की बात

असल जिंदगी में काफी मजाकिया हैं जया बच्चन : करण जौहर

जया बच्चन बीते दिनों करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आईं। इस फिल्म में जया गुस्सैल दादी के किरदार में देखी गईं। अभिनेत्री के किरदार वाला लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। फिल्म देखने के बाद कुछ यूजर्स ने कहा कि जया बच्चन ने इस फिल्म में अपना रियल कैरेक्टर प्ले किया है। गौरतलब है कि अक्सर जया बच्चन को मीडिया के सामने अक्सर गुस्सा होते देखा जाता है, इसलिए वास्तविक जीवन में भी उनकी छवि गुस्सैल वाली बन गई है। इसके विपरीत करण जौहर ने खुलासा किया है कि जया रियल लाइफ में काफी मजाकिया हैं। हाल ही में एक वेबसाइट संग बातचीत में करण जौहर ने इस फिल्म के जरिए अपने कमबैक पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने जया बच्चन के किरदार और उनके वास्तविक जीवन के स्वभाव का भी जिक्र किया। मालूम हो कि फिल्म में जया बच्चन ने धनलक्ष्मी रंधावा का रोल निभाया है, जो काफी सख्त और गुस्सैल दादी हैं और किसी से ना सुनना पसंद नहीं करतीं। करण जौहर ने बातचीत में जया बच्चन के असल जीवन के व्यक्तित्व की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि जया जी बिल्कुल वैसी नहीं हैं, जैसा लोग उन्हें लेकर सोचते हैं। हकीकत तो ये है कि सेट पर वह क्रू की पसंदीदा शख्सियत थीं। करण ने कहा, अगर आप मेरे क्रू से पूछते कि सेट पर आपका फेवरेट इंसान कौन है? तो वे जया बच्चन का नाम लेते। वह इस तरह की नहीं हैं। वह धनलक्ष्मी जैसी नहीं हैं। इससे पहले धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में रणवीर सिंह भी जया बच्चन की तारीफ करते नजर आए थे। उन्होंने कहा था, जया बच्चन के पास वह अधिकार हैं। जब वह सेट पर होती हैं तो हर कोई एलर्ट रहता। बता दें कि रॉकी और रानी एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इसमें आलिया भट्ट और रणवीर सिंह ने लीड रोल अदा किया। उनके अलावा धर्मेंद्र और शबाना आजमी भी नजर आए।

होमवर्क से बचने के लिए बच्चे ने लगाया ऐसा जुगाड़, घर पहुंच गई पुलिस

आपने देखा होगा कि बच्चे अक्सर होमवर्क करने से बचने के लिए बहाने बनाते हैं। वे होमवर्क को टालने की कोशिश करते हैं। ऐसे में कई बार माता-पिता बच्चों को डांट देते हैं। कुछ बच्चे तो डांट खाने के बाद होमवर्क कर लेते हैं लेकिन कुछ बच्चे ऐसे भी होते हैं जो डांट डपट के बाद भी नहीं मानते और कुछ ना कुछ ऐसा करते हैं कि सामने वाला भी परेशान हो जाता है। ऐसे ही एक शैतान बच्चे ने होमवर्क से बचने के लिए ऐसा जुगाड़ लगाया कि घर पर पुलिस आ गई। एक शैतान बच्चे ने होमवर्क से बचने के लिए ऐसा जुगाड़ लगाया कि माता-पिता भी सन्न रह गए। यह शैतान बच्चा चीन का है। बच्चे को रोज़ाना होमवर्क करने का मन नहीं करता था। ऐसे में उसने एक ऐसा तरीका निकाला, जो उसके पैरेंट्स के होश उड़ाने के लिए काफी था। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक बच्चा पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत का रहने वाला है। वो अपने घर की खिड़की से होमवर्क करते वक्त 'Help Me' के नोट फेंक रहा था। बच्चे ने होमवर्क से बचने के लिए जब खिड़की से 'Help Me' के नोट फेंके तो एक नोट पड़ोसी को मिला। पड़ोसी ने ये नोट पढ़ा। इसके बाद उसे वैसा ही एक और नोट मिला। इस पर पड़ोसी को लगा कि उस घर में किसी को मदद की ज़रूरत है। पड़ोसी ने फटाफट पुलिस को फोन किया क्योंकि उसे खिड़की से किसी के रोने की भी आवाज आ रही थी। पड़ोसी को लगा कि कुछ अनहोनी हो रही है और इसी वजह से उसने पुलिस को वहां बुला लिया। इमरजेंसी कॉल के बारे में जानकर पुलिस भी बच्चे के पास तुरंत पहुंच गई। बच्चे के घरवाले पुलिस को देखकर दंग रह गए। जब पुलिस को सच्चाई का पता लगा तो पुलिस ने बच्चे को समझाया कि ये इमरजेंसी के लिए है और अगर इसका दुरुपयोग होगा तो सही वक्त पर कभी मदद नहीं मिल पाएगी। बता दें कि चीन की प्रतियोगी पढ़ाई के चलते अक्सर बच्चे होमवर्क से डरते हैं।

अजब-गजब | यहां 100 साल से एक साथ रह रहे हैं तेंदुए और इंसान

ये जनजाति है शिव की उपासक तेंदुओं को मानती है अपना रक्षक

एक समय था जब इंसान जंगलों में रहा करते थे। उस वक्त इंसान खतरनाक जंगली जानवरों के साथ रहते थे और उनसे बचना भी जानते थे। बाद में जब बस्तियां बसी तो इंसान बस्तियों में चले गए और जानवर जंगल में रह गए। इसके बाद से इंसानों और जानवरों की बॉन्डिंग कम हो गई। अब कई बार जंगली जानवर जंगल से निकलकर पास में बसी बस्तियों में आ जाते हैं तो लोगों को काफी परेशानी होती है। लेकिन क्या आपको पता है कि देश में एक जगह ऐसी भी है, जहां इंसान और खतरनाक जंगली जानवर तेंदुए साथ में मिलकर रहते हैं।

बता दें कि तेंदुए बहुत खंखार जंगली जानवर होते हैं जो इंसानों का भी शिकार कर लेते हैं। लेकिन अपने ही देश में एक जगह ऐसी भी है, जहां इंसानों और खतरनाक शिकारी माने जाने वाले तेंदुओं के बीच ऐसा सामंजस्य बना हुआ है कि ये साथ-साथ रहते हैं। एक-दो नहीं बल्कि करीब 10 गांवों में सैकड़ों तेंदुओं ने इंसानों के साथ अपना घर बना रखा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यहां पिछले 100 साल से तेंदुए और इंसान एक साथ रह रहे हैं। यहां इनके बीच इतना प्यार है कि तेंदुए किसी इंसान या उनके बच्चों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। वहीं यहां के लोगों को भी तेंदुओं के साथ रहने की आदत पड़ चुकी है। यहां तक की इनके छोटे बच्चे भी तेंदुए को देखकर डरते नहीं हैं। बताया जाता है कि एक बार एक तेंदुआ बच्चे को मुंह में दबाकर ले गया था लेकिन फिर जंगल में जाने से पहले ही उसे छोड़ गया।

इस कस्बे में रबारी जनजाति के लोग रहते हैं। बताया जाता है कि ये जनजाति चरवाहों की है और ये लोग हज़ारों साल पहले अफगानिस्तान के रास्ते इरान से होकर राजस्थान आ गए थे। भगवान शिव की उपासना करने वाले ये लोग मानते हैं कि तेंदुए भगवान की ओर से भेजे गए उनके रक्षक है। वे कभी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाते और लोग भी उन्हें प्यार करते हैं। दिलचस्प ये भी है कि अगर वे उनके मवेशियों को भी खा लें, तो उन्हें वे बलि समझकर माफ कर देते हैं।

गहलोत ने राजाओं की तरह किया विकास : सूर्यकांता

भाजपा विधायक ने की मुख्यमंत्री की जमकर तारीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुष्करणा समाज के लिए ऐसा काम किया है, जो पहले के जमाने में राजा-महाराजा किया करते थे। ये बयान किसी कांग्रेस नेता का नहीं बल्कि जोधपुर के सूरसागर से भाजपा विधायक सूर्यकांता व्यास का है। विधायक सूर्यकांता ने हाल ही में सीएम अशोक गहलोत की जमकर तारीफ की।

विधायक ने सीएम की तुलना राजा-महाराजाओं से करते हुए कहा कि अशोक गहलोत ने समाज पर बड़ा उपकार किया है। दरअसल, दो दिन पहले सीएम गहलोत ने जोधपुर में पुष्करणा समाज की कुलदेवी वाहिनी देवी मंदिर का जीर्णोद्धार करने के लिए 4.75 करोड़ रुपए के बजट को स्वीकृति दी थी। भाजपा विधायक सूर्यकांता व्यास इस बजट की स्वीकृति के लिए लगातार प्रयास कर रही थीं। 4.75 करोड़ का बजट स्वीकृति होने के बाद बुधवार को समाज के लोग विधायक का आभार जताने उनके आवास पर पहुंचे थे। इस दौरान भाजपा की वरिष्ठ नेता सूर्यकांता व्यास ने सीएम गहलोत की खुलकर तारीफ की। राजस्थान के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुष्करणा समाज के लिए राजा-महाराजा जैसा काम किया है। उन्होंने 4 करोड़ 75 लाख रुपए का बजट दिया है। कुलदेवी की ये मूर्ति काफी ऐतिहासिक है, जिसे देखने के लिए टूरिस्ट आते हैं। जगह छोटी होने के कारण कई बार परेशानी होती है। आज वह सपना सीएम गहलोत ने साकार किया है।

इस्तेमाल करके लोगों को फेंक देते हैं पायलट : हनुमान बेनीवाल

» बोले- अपनी ही फौज खा गए, गहलोत से भी बड़े फौजमार कप्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्थान। आरएलपी (राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी) के संयोजक हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस नेता सचिन पायलट पर बड़ा हमला बोला। बेनीवाल ने पायलट को फौजमार कप्तान बता दिया। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट अशोक गहलोत से भी बड़े फौजमार कप्तान हैं। आप (पायलट) लोगों का इस्तेमाल कर उन्हें फेंक देते हैं। जो लोग आपके आसपास थे, आपने उन्हें भी खत्म कर दिया। आप अपनी ही फौज को खा गए, अब आप फौजमार कप्तान बन चुके हो। बेनीवाल ने कहा कि मुझे तो सचिन पायलट पर तरस आता है। उनके कहने से राजस्थान में कांस्टेबल भी नहीं हटता। आप किसी के लिए पानी का टैंकर तक नहीं डलवा सकते हो। आप यह बता दो कि राजस्थान में आपकी इज्जत क्या बची है? 2020 में बगावत के दौरान भी मैंने सचिन पायलट का समर्थन किया। मैंने कहा कि अगर पायलट को सीएम बनाओगे तो ही आरएलपी के तीनों विधायक समर्थन देंगे। बेनीवाल ने कहा- मुझे तो सचिन पायलट पर तरस आता है कि उनको एक कोने में बैठा दिया गया है। मुझे उनसे किसी तरह की मदद नहीं चाहिए। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या उनका जमीर नहीं जाग रहा।

नूंह हिंसा के मामले में कांग्रेस विधायक मामन खान गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। नूंह हिंसा की साजिश रचने के आरोप में हरियाणा पुलिस ने फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान को गुरुवार देर रात को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी सतीश कुमार ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि मामन खान को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा। हरियाणा सरकार ने गुरुवार को ही हाईकोर्ट में बताया कि 31 जुलाई को नूंह में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के संबंध में दर्ज एफआईआर में से एक में कांग्रेस विधायक मामन खान को भी आरोपी बनाया गया है।

पुलिस के पास मामन खान के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। सबूतों का मूल्यांकन करने के बाद ही कांग्रेस विधायक खान को आरोपी बनाया गया है। राज्य सरकार के वकील ने यह रहस्योद्घाटन उस समय किया जब गुरुवार को पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में खान की याचिका पर सुनवाई चल रही थी। मामन खान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ किसी किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से राहत की मांग की थी। सूत्रों ने बताया है कि नूंह के नगीना पुलिस स्टेशन में सांप्रदायिक हिंसा के संबंध में दर्ज एक एफआईआर में खान को आरोपी बनाया गया

धारा 144 लागू, इंटरनेट बंद

नूंह हिंसा मामले में कांग्रेस विधायक मामन खान की गिरफ्तारी के बाद जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है. साथ ही 16 सितंबर रात 12 बजे तक इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया, इसके अलावा आज जुम्मे की नमाज भी घरों में अता करने का निर्देश दिया गया. हरियाणा सरकार ने मामन खान की गिरफ्तार के बाद ये बड़ा फैसला लिया है।

है। पुलिस जांच में पाया गया कि खान कथित तौर पर फोन पर मोहम्मद तौफीक नामक एक संदिग्ध के संपर्क में थे। हिंसा में कथित संलिप्तता के आरोप में तौफीक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। मामन खान को पूछताछ के लिए पहली बार 31 अगस्त को बुलाया गया था लेकिन खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर वह पेश नहीं हुए थे।

भाजपा ने 75 फीसदी जिलों के बदले जिलाध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बीजेपी ने अपने संगठन में बड़े स्तर का फेरबदल किया है। पूरे यूपी से 75 प्रतिशत से अधिक जिलों के जिलाध्यक्ष बदल दिए गए हैं। माना जा रहा है कि यह बदलाव आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर किया गया है। बीजेपी में लंबे समय से संगठन के फेरबदल की चर्चाएं चल रहीं थीं। शुक्रवार को यह फेरबदल कर दिया गया।

भाजपा के संगठनात्मक 98 जिलों में नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति हुई। करीब दो महीने से इस बारे में चर्चाएं चल रही थीं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखते हुए यह नियुक्तियां की गई हैं। मात्र 25 जिलाध्यक्ष अपनी कुर्सी बचाने में कामयाब हुए हैं। हालांकि इस सूची में महिलाओं को जगह कम मिली है। मात्र पांच महिलाओं को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। लखनऊ महानगर में आनंद द्विवेदी, लखनऊ जिला में विनय प्रताप सिंह अध्यक्ष बनाए गए हैं। इसी तरह रायबरेली में बुद्विलाल पासी, सीतापुर से राजेश शुक्ला, बाराबंकी में अरविंद मौर्या, गोंडा में अमर किशोर कश्यप, बहराइच में बृजेश पांडेय अध्यक्ष बनाए गए हैं।

बजरंग पुनिया को कोर्ट से मिली छूट मानहानि मामले में जारी हुआ था समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने पहलवान बजरंग पुनिया को बड़ी राहत दी है। उनके वकील के द्वारा दायर की गए छूट आवेदन को स्वीकार कर लिया है। उनके वकील ने कोर्ट को बताया कि बजरंग पुनिया अभी आगामी एशियाी गेम्स को लेकर किर्गिस्तान में हैं। अभी वह खेल के लिए अभ्यास कर रहे हैं।

मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट यशदीप चहल ने दलील पर ध्यान देते हुए बजरंग पुनिया की व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दी और मामले में पहलवान की अगली सुनवाई और उपस्थिति के लिए 17 अक्तूबर, 2023 की तारीख तय की। बीती 3 अगस्त को पटियाला हाउस ने कुश्ती कोच नरेश दहिया ने मानहानि मामले में ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया के खिलाफ मानहानि मामले में याचिका दायर की थी। उसी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने समन जारी किया था। गुरुवार को सुनवाई के दौरान बजरंग पुनिया के वकील ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के पत्र का भी प्रतिनिधित्व किया, जिसमें कहा गया था कि पहलवान बजरंग पुनिया को उनके कोच सुजीत मान के साथ तैयारी के लिए 13 सितंबर 2023 को किर्गिस्तान में एक प्रशिक्षण शिविर के लिए भेजा गया था। आगामी एशियाई खेलों का आयोजन होने वाला है। कुश्ती प्रतियोगिताएं 4 अक्टूबर से शुरू होंगी और 7 अक्टूबर 2023 को समाप्त होंगी। कोर्ट ने सुनवाई की आखिरी तारीख तय करते हुए 17 अक्तूबर रख दी है। बजरंग पुनिया भी स्वास्थ्य कारणों से अदालत के सामने पेश नहीं हुए। तब अदालत ने उन्हें केवल उस दिन के लिए छूट दी थी। जानकारी के लिए बता दें कि शिकायतकर्ता नरेश दहिया ने आपराधिक मानहानि शिकायत में कहा कि 10 मई को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान, बजरंग पुनिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी।

श्रीलंका एशिया कप के फाइनल में, भारत से भिड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। कुसाल मेंडिस के अर्धशतक के बाद चरिथ असलंका की प्रतिकूल प्रतिस्थितियों में धैर्यपूर्ण पारी से श्रीलंका ने एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के वर्षा से प्रभावित सुपर चार चरण के बेहद रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत दो विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना रविवार को भारत से होगा।

पाकिस्तान के 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने मेंडिस की 87 गेंद में आठ चौकों और एक छक्के से 91 रन की पारी और समरविक्रम (48) के साथ उनकी तीसरे विकेट की 100 रन की साझेदारी से अंतिम गेंद पर आठ विकेट पर 252 रन बनाकर जीत दर्ज की। असलंका ने 47 गेंद में तीन चौकों और एक छक्के से नाबाद 49 रन बनाकर टीम

» आखिरी गेंद तक रोमांच भरे मैच में पाक को दो विकेट से हराया

को लक्ष्य तक पहुंचाया। विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान ने इससे पहले 73 गेंद में छह चौकों और दो छक्कों से नाबाद 86 की पारी खेलने के अलावा इफ्तिखार अहमद (47 रन, 40 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 108 रन जोड़कर पाकिस्तान का स्कोर सात विकेट पर 252 रन तक पहुंचाया। इन दोनों की साझेदारी से पाकिस्तान अंतिम 10 ओवर में 102 रन जोड़ने में सफल रहा। सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने भी शीर्ष क्रम में 69 गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों से 52 रन बनाए। बारिश के कारण मैच की शुरुआत में ही विलंब हुआ जिसके कारण इसे 45 ओवर का कर दिया गया। मैच के बीच में दोबारा बारिश आई जिसके कारण मैच में ओवरों की संख्या फिर घटाकर 42 कर दी गई। श्रीलंका को डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 252 रन का लक्ष्य मिला। श्रीलंका की तरफ से मथीसा पथिराना सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 65 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

अंतिम पांच ओवर में थमी रहीं सांसें

श्रीलंका को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 33 रन की दरकार थी। इफ्तिखार ने कप्तान दासुन शनाका (02) को नवाज के हाथों कैच कराके श्रीलंका की मुसीबत बढ़ाई। असलंका ने शाहीन पर चौके के साथ गेंद और रन के बीच के अंतर को कम किया और फिर जमान की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। श्रीलंका को अब अंतिम दो ओवर में 12 रन की जरूरत थी। शाहीन की फुलटॉस को धनंजय डिसिल्वा (05) लांग ऑन पर वसीम के हाथों में खेल गए जबकि अगली गेंद पर दुनिथ वेलालागे (00) ने विकेटकीपर रिजवान को कैच थमाया। जमान के अंतिम ओवर में श्रीलंका को आठ रन की जरूरत थी। शुरुआती तीन गेंद पर सिर्फ दो रन बने जबकि चौथी गेंद पर मदुसान रनआउट हो गए। पांचवीं गेंद असलंका के बल्ले का किनारा लेकर स्लिप क्षेत्र से चार रन के लिए चली गई। जमान की अंतिम गेंद पर असलंका ने दो रन के साथ टीम की जीत सुनिश्चित की।

अनंतनाग एनकाउंटर : एक और जखमी जवान शहीद

लश्कर के दो दहशतगर्द घिरे, ड्रोन से तलाशी जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग के गडूल के जंगलों में लगातार तीसरे दिन भी आतंकियों को मार गिराने के लिए अभियान जारी है। इसी बीच मुठभेड़ में जख्मी एक और जवान की मौत हो गई है। जबकि दो जवान घायल हुए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अनंतनाग में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन जारी है। लश्कर के दो दहशतगर्द घिरे हुए हैं। क्वाडकॉप्टर और ड्रोन से आतंकियों पर नजर रखी जा रही है।

अभियान में पैरा कमांडो ने भी मोर्चा संभाल लिया है। घना जंगल और पहा ी इलाका होने के कारण इस विशेष दस्ते को उतारा गया है। इसके अलावा पहा ी पर जहां आतंकियों का ठिकाना होने की आशंका है वहां रॉकेट दागे गए। बताया जा रहा है कि सुरक्षाबलों ने उजैर खान सहित लश्कर के दो आतंकवादियों को घेरा हुआ है। इससे पहले, सुरक्षाबलों ने बुधवार की रात गुजरने के बाद वीरवार सुबह करीब छह बजे दोबारा दहशतगर्दों के खिलाफ अभियान शुरू किया था। इस दौरान सुबह से देर शाम तक रुक-रुक कर फायरिंग की गई।

आतंकियों से संपर्क साधने के लिए सुरक्षाबलों ने स्पेक्युलेटिव फायरिंग की, लेकिन दूसरी तरफ से जवाबी कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस ने एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा, कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनक और डीएसपी हुमायूं भट की अटूट वीरता को सच्ची श्रद्धांजलि, जिन्होंने इस ऑपरेशन के दौरान सामने से नेतृत्व करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया। हमारी सेनाएं उजैर खान सहित 2 लश्कर आतंकियों को घेरने के संकल्प के साथ डटी हुई हैं।

दो संदिग्धों को पकड़ा

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में भारतीय सेना के हाथ बड़ी कामयाबी हासिल लगी है। सेना के जवानों ने बारामूला के उरी कस्बे में दो संदिग्धों को पकड़ा किया है। इन दोनों के पास से सुरक्षाबलों को दो पिस्तौल, पांच हैंड ग्रेनेड और अन्य युद्ध सामग्री बरामद हुई है। भारतीय सेना ने इसकी जानकारी दी है, ये दोनों संदिग्ध ऐसे समय पकड़े गए जब अनंतनाग में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में चार जवान शहीद हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जरिए दी गई खुफिया जानकारी के आधार पर उरी, बारामूला में 14 सितंबर को एक मोबाइल व्हीकल चेकपोस्ट स्थापित किए गए।

उजैर पर 10 लाख का है इनाम

हमले में शामिल उजैर खान (28) कोकरनाग के नागम गांव का रहने वाला है। वह 26 जुलाई 2022 से लापता था। बताया जाता है कि उसी समय लश्कर-ए-ताइबा का आतंकी बन गया था। उजैर कई आतंकी हमलों में शामिल रहा है। इसलिए उसे ए+ कैटेगरी में रखा गया है। उस पर 10 लाख रुपये का इनाम भी घोषित है। घटनास्थल पर उसके साथ एक विदेशी आतंकी भी है, जिसकी शिनाख्त फिलहाल नहीं हो पाई है।

निर्माणाधीन इमारत की लिफ्ट गिरने से चार मजदूरों की मौत

» पांच लोगों की हालत गंभीर, मौके पर पहुंचे अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ड्रीम वैली प्रोजेक्ट में निर्माणाधीन साइट पर बड़ा हादसा हो गया है। इस निर्माणाधीन साइट पर लिफ्ट गिरने से चार कामगारों की मौत हो गई। जबकि पांच लोगों की हालत गंभीर है। हादसे की जानकारी मिलते ही नोएडा के सीईओ एनजी रवि और जिलाधिकारी मनीष कुमार वार्मा कामगारों को परिजनों से मिलने जिला अस्पताल पहुंच गए हैं। साथ ही अधिकारी परिजनों का ढांढ़स भी बंधा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि बिल्डर इस परियोजना में 26 मंजिला इमारत का निर्माण करा रहा था। हादसे के बाद मौके लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति के देखते हुए भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। ग्रेटर नोएडा में आम्रपाली बिल्डर्स की निर्माणाधीन साइट पर लिफ्ट गिरने पर डीएम मनीष वर्मा ने कहा, निर्माणाधीन साइट पर हादसा हो गया था, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई है। पांच लोगों की हालत गंभीर है। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। हमारी टीम जिला हॉस्पिटल में मौजूद है। हमारे अधिकारी भी साइट पर मौजूद हैं। कोई भी वहां (निर्माणाधीन साइट) पर नहीं फंसा है। सभी घायलों को उचित इलाज दिया जा रहा है।

फोटो : 4 पीएम

सेरेमनी भारत बनाम मोरक्को ड्रॉ सेरेमनी में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने पहुँचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

फोटो : सुमित कुमार

सेमिनार मीडिया के साथ समन्वय बढ़ाने के प्रयास के तहत वायु सेना स्टेशन बख्शी का तालाब में सेमिनार आयोजित किया गया। इस दौरान वायु सेना के अधिकारियों ने वायु सेना के कामकाज की जानकारी साझा की।

अपनी विचारधारा अपने तक रखें सीमित : अभिषेक

» जदयू ने शिक्षामंत्री के बयान से किया किनारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एक बार फिर विवादित बयान को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू यादव की पार्टी के साथ मिलकर सरकार बनाई है लेकिन आरजेडी के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के बयान से पार्टी ने किनारा कर लिया है। साथ ही चेतावनी भी दी है।

शिक्षा मंत्री ने कहा है कि रामचारितमानस में पोटाशियम साइनाइड है, जब तक यह रहेगा तब तक इसका विरोध करते रहेंगे, इस पर जेडीयू की प्रतिक्रिया सामने आई है। शिक्षा मंत्री के बयान पर

शुक्रवार (15 सितंबर) को प्रतिक्रिया देते हुए जेडीयू के प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा कि रामचरितमानस हो, गुरु ग्रंथ साहिब हो, कुरान शरीफ हो, बाइबिल हो सब आस्था का विषय है, हमारा देश बाबा साहेब भीम राम आंबेडकर के बनाए संविधान से चलता है, जहां हर जाति और धर्म के लोगों को समान अधिकार है, कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म में आस्था रखकर काम कर सकता है। हम सबका सम्मान करते हैं।

धर्म के नाम पर अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करना गलत, पहले सभी थे हिंदू : अजय सिंह

कांग्रेस ओबीसी राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह यादव ने कहा कि धर्म के नाम पर अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करना गलत, पहले सभी थे हिंदू थे। अजय सिंह यादव ने दावा किया कि 2024 में जब इंडिया अलायंस की सरकार बनेगी तो पूरे देश में जातिगत जनगणना करवाएंगे। भारत जोड़ो यात्रा सफल होने के बाद इंडिया अलायंस का गठन किया गया। अजय सिंह यादव ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इंडिया अलायंस के अस्तित्व में आने से बीजेपी घबरा गई, घबरा कर उसने नव गठित गठबंधन के नाम पर नया वावेला शुरू कर दिया।

आदित्य एल-1 ने चौथी बार सफलतापूर्वक बदला कक्षा

» इसरो ने दी जानकारी, शुक्रवार तड़के पूरी हुई प्रक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। सूर्य का अध्ययन करने के लिए भारत के पहले अंतरिक्ष-आधारित मिशन आदित्य एल1 (आदित्य-एलवी) ने शुक्रवार तड़के चौथी बार सफलतापूर्वक पृथ्वी की एक कक्षा से अन्य कक्षा में प्रवेश किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यह जानकारी दी। अंतरिक्ष एजेंसी से 'एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ''चौथी बार पृथ्वी की कक्षा परिवर्तन की प्रक्रिया (ईबीएन-4) को सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। मॉरीशस, बेंगलुरु, एसडीएससी-एसएचएआर और पोर्ट ब्लेयर में इसरो के 'ग्राउंड स्टेशनों ने इस अभियान के दौरान उपग्रह की निगरानी की।

आदित्य एल1 की वर्तमान कक्षा 256 किलोमीटर × 121973 किलोमीटर है। इसरो ने कहा कि कक्षा परिवर्तन की अगली प्रक्रिया 'ट्रांस-लैग्रेजियन पॉइंट 1 इंसर्शन (टीएल1आई) -19 सितंबर को देर रात लगभग दो बजे निर्धारित है।

आदित्य-एल1 पहली भारतीय अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला है जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर सूर्य-पृथ्वी के पहले लैग्रेंजियन बिंदु (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा से सूर्य का अध्ययन करने वाली है. पृथ्वी की कक्षा परिवर्तन की पहली, दूसरी और तीसरी प्रक्रिया क्रमश: तीन, पांच और 10 सितंबर को सफलतापूर्वक की गई थी।

ट्रांस-लैग्रेंजियन-1 सम्मिलन की कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया से गुजरेगा

पृथ्वी के चारों ओर आदित्य-एल1 की 16-दिवसीय यात्रा के दौरान यह प्रक्रिया की जा रही है, जिसके दौरान आदित्य-एल1 अपनी आगे की यात्रा के लिए आवश्यक गति प्राप्त करेगा। पृथ्वी से जुड़े कक्षा परिवर्तन की चार प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद आदित्य-एल-1 अगले ट्रांस-लैग्रेंजियन-1 सम्मिलन की कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया से गुजरेगा, जो एल-1 लैग्रेंज बिंदु के आसपास गंतव्य के लिए अपने लगभग 110-दिवसीय प्रक्षेप पथ की शुरुआत करेगा। एल1 पृथ्वी और सूर्य के बीच एक संतुलित गुरुत्वाकर्षण स्थान है। उपग्रह अपना पूरा मिशन जीवन पृथ्वी और सूर्य को जोड़ने वाली रेखा के लगभग लंबवत समतल में अनियमित आकार की कक्षा में एल1 के चारों ओर परिक्रमा करते हुए बिताने वाला है। इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-सी57) ने दो सितंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) के दूसरे प्रक्षेपण केंद्र से आदित्य-एल-1 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।